

BUSINESS REGULATORY FRAMEWORK

B.COM IIIrd SEMESTER

Question 1 (4 Marks)

English: Define a contract under the Indian Contract Act, 1872. What are its essential elements?

Hindi: भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 के तहत अनुबंध को परिभाषित करें। इसके आवश्यक तत्व क्या हैं?

Answer / उत्तर:

- **English:** According to Section 2(h) of the Indian Contract Act, 1872, "*An agreement enforceable by law is a contract.*" Thus, Contract = Agreement + Enforceability at Law. Its essential elements under Section 10 include: (1) Proper offer and acceptance, (2) Free consent, (3) Capacity of parties to contract, (4) Lawful consideration and legal object, and (5) Intention to create legal relations.
- **Hindi:** भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 की धारा 2(h) के अनुसार, "कानून द्वारा प्रवर्तनीय (लागू करने योग्य) समझौता ही अनुबंध है।" इस प्रकार, अनुबंध = समझौता + कानूनी प्रवर्तनीयता। धारा 10 के तहत इसके मुख्य तत्व हैं: (1) उचित प्रस्ताव और स्वीकृति, (2) स्वतंत्र सहमति, (3) पक्षों की अनुबंध करने की क्षमता, (4) कानूनी प्रतिफल और वैध उद्देश्य, तथा (5) कानूनी संबंध बनाने का इरादा।

Question 2 (4 Marks)

English: Differentiate between a Void Contract and a Voidable Contract.

Hindi: व्यर्थ अनुबंध (Void Contract) और शून्यकरणीय अनुबंध (Voidable Contract) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Void Contract (Section 2(j)):** A contract which ceases to be enforceable by law becomes void when it ceases to be enforceable. It is valid initially but becomes unenforceable due to a subsequent event.
 - **Voidable Contract (Section 2(i)):** An agreement which is enforceable by law at the option of one or more of the parties thereto, but not at the option of the other or others (e.g., contracts obtained by coercion or fraud).
- **Hindi:**
 - **व्यर्थ अनुबंध (धारा 2(j)):** एक अनुबंध जो कानून द्वारा लागू होने योग्य नहीं रह जाता है, वह व्यर्थ हो जाता है। यह शुरू में वैध होता है लेकिन बाद की घटनाओं के कारण लागू अयोग्य हो जाता है।
 - **शून्यकरणीय अनुबंध (धारा 2(i)):** वह समझौता जो पीड़ित पक्षकार की इच्छा पर कानून द्वारा लागू करने योग्य होता है, लेकिन दूसरे पक्ष की इच्छा पर नहीं (जैसे: उत्पीड़न या धोखाधड़ी से किए गए अनुबंध)।

Question 3 (4 Marks)

English: What is a 'General Offer' and how is it different from a 'Specific Offer'?

Hindi: 'सामान्य प्रस्ताव' (General Offer) क्या है और यह 'विशिष्ट प्रस्ताव' (Specific Offer) से कैसे भिन्न है?

Answer / उत्तर:

- **English:** A **General Offer** is an offer made to the public at large and can be accepted by anyone who performs the conditions specified in the offer (e.g., *Carlill v. Carbolic Smoke Ball Co.*). A **Specific Offer** is made to a definite person or group of persons, and only that specific person or group can accept it.
- **Hindi:** **सामान्य प्रस्ताव** वह प्रस्ताव है जो आम जनता को दिया जाता है और कोई भी व्यक्ति जो प्रस्ताव में उल्लिखित शर्तों को पूरा करता है, इसे स्वीकार कर सकता है (उदा. *कार्लिल बनाम कारबोलिक स्मोक बॉल कं.*)। **विशिष्ट प्रस्ताव** किसी विशेष व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह को दिया जाता है, और केवल वही विशिष्ट व्यक्ति या समूह इसे स्वीकार कर सकता है।

Question 4 (4 Marks)

English: State the rules regarding communication of Acceptance under Section 4.

Hindi: धारा 4 के तहत स्वीकृति के संचार के संबंध में नियमों का उल्लेख कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Communication of acceptance is complete:
 1. **As against the proposer:** When it is put into a course of transmission to him, so as to be out of the power of the acceptor (e.g., when the letter is posted).
 2. **As against the acceptor:** When it comes to the knowledge of the proposer.
- **Hindi:** स्वीकृति का संचार पूरा माना जाता है:
 1. **प्रस्तावक के विरुद्ध:** जब इसे प्रेषण के अनुक्रम में डाल दिया जाता है, ताकि यह स्वीकारकर्ता के अधिकार क्षेत्र से बाहर हो जाए (जैसे: पत्र डाक में डालना)।
 2. **स्वीकारकर्ता के विरुद्ध:** जब यह प्रस्तावक के ज्ञान में आता है।

Question 5 (4 Marks)

English: What is the legal position of a Minor's Agreement? Mention two key rules.

Hindi: अवयस्क (Minor) के समझौते की कानूनी स्थिति क्या है? दो मुख्य नियम बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** An agreement with or by a minor is **void-ab-initio** (void from the very beginning), as established in *Mohori Bibee v. Dharmodas Ghose*. Key rules:
 1. **No Ratification:** A minor cannot ratify an agreement entered into during minority after attaining majority.

2. **Necessaries Supplied:** A minor is not personally liable, but their estate is liable for necessities supplied to them or their dependents.
- **Hindi:** अवयस्क के साथ या द्वारा किया गया समझौता **प्रारंभ से ही व्यर्थ** (void-ab-initio) होता है (मोहोरी बीबी बनाम धर्मोदास घोस)। मुख्य नियम:
 1. **कोई पुष्टि (Ratification) नहीं:** एक अवयस्क वयस्क होने के बाद अपनी अवयस्कता के दौरान किए गए समझौते की पुष्टि नहीं कर सकता।
 2. **आवश्यक वस्तुएं:** अवयस्क व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं होता, लेकिन उसे या उसके आश्रितों को दी गई आवश्यक वस्तुओं के लिए उसकी संपत्ति उत्तरदायी होती है।

Question 6 (4 Marks)

English: Define 'Coercion' and explain its effect on a contract.

Hindi: 'उत्पीड़न' (Coercion) को परिभाषित करें और अनुबंध पर इसके प्रभाव को समझाएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** According to Section 15, **Coercion** is committing or threatening to commit any act forbidden by the Indian Penal Code, or unlawfully detaining/threatening to detain any property to force a person to enter into an agreement.
 - **Effect:** The contract becomes **voidable** at the option of the party whose consent was so caused (Section 19).
- **Hindi:** धारा 15 के अनुसार, **उत्पीड़न** भारतीय दंड संहिता द्वारा प्रतिबंधित किसी भी कार्य को करना या करने की धमकी देना, या किसी व्यक्ति को समझौते में शामिल करने के लिए किसी संपत्ति को अवैध रूप से रोकना या रोकने की धमकी देना है।
 - **प्रभाव:** अनुबंध उस पक्ष की इच्छा पर **शून्यकरणीय** हो जाता है जिसकी सहमति इस प्रकार प्राप्त की गई थी (धारा 19)।

Question 7 (4 Marks)

English: How does 'Undue Influence' differ from 'Coercion'?

Hindi: 'अनुचित प्रभाव' (Undue Influence) 'उत्पीड़न' (Coercion) से किस प्रकार भिन्न है?

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Nature of Force:** Coercion involves physical force or threat, whereas Undue Influence involves moral or mental pressure.
 - **Relationship:** Coercion does not require a prior relation between parties. Undue Influence requires a dominant-subordinate relationship where one party dominates the will of the other (Section 16).
- **Hindi:**

- **बल का प्रकार:** उत्पीड़न में शारीरिक बल या धमकी शामिल होती है, जबकि अनुचित प्रभाव में नैतिक या मानसिक दबाव शामिल होता है।
- **संबंध:** उत्पीड़न के लिए पक्षों के बीच पूर्व संबंध आवश्यक नहीं है। अनुचित प्रभाव के लिए एक ऐसे प्रभुत्वशाली संबंध की आवश्यकता होती है जहाँ एक पक्ष दूसरे की इच्छा को दबा सकता है (धारा 16)।

Question 8 (4 Marks)

English: What constitutes 'Fraud' under Section 17 of the Indian Contract Act?

Hindi: भारतीय अनुबंध अधिनियम की धारा 17 के तहत 'धोखाधड़ी' (Fraud) किसे माना जाता है?

Answer / उत्तर:

- **English:** Fraud means acts committed by a party to deceive another into entering a contract, including: (1) Suggesting a fact which is not true by one who does not believe it to be true, (2) Active concealment of a fact, (3) A promise made without any intention of performing it, or (4) Any other act fitted to deceive.
- **Hindi:** धोखाधड़ी (कपट) का अर्थ किसी पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष को अनुबंध में प्रवेश करने के लिए धोखा देने के उद्देश्य से किए गए कार्य हैं, जिनमें शामिल हैं: (1) जो बात सच नहीं है उसे सच बताकर प्रस्तुत करना, (2) किसी तथ्य को सक्रिय रूप से छिपाना, (3) पूरा न करने के इरादे से किया गया वादा, या (4) धोखा देने के उद्देश्य से किया गया कोई अन्य कार्य।

Question 9 (4 Marks)

English: Differentiate between 'Fraud' and 'Misrepresentation'.

Hindi: 'धोखाधड़ी' (Fraud) और 'मिथ्या निरूपण' (Misrepresentation) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Intent:** Fraud involves an intentional misstatement of facts to deceive the other party. Misrepresentation is an innocent misstatement without any intention to deceive.
 - **Damages:** In Fraud, the aggrieved party can sue for damages in addition to rescinding the contract. In Misrepresentation, the aggrieved party can rescind the contract but generally cannot claim damages.
- **Hindi:**
 - **इरादा:** कपट (धोखाधड़ी) में दूसरे पक्ष को धोखा देने के लिए जानबूझकर गलत बयान दिया जाता है। मिथ्या निरूपण में बिना किसी धोखा देने के इरादे के अनजाने में गलत बयान दिया जाता है।
 - **क्षतिपूर्ति:** कपट के मामले में पीड़ित पक्ष अनुबंध रद्द करने के अलावा हर्जाने का दावा भी कर सकता है। मिथ्या निरूपण में अनुबंध रद्द किया जा सकता है लेकिन आमतौर पर हर्जाने का दावा नहीं किया जा सकता।

Question 10 (4 Marks)

English: What is a 'Mistake of Fact' and how does it affect an agreement?

Hindi: 'तथ्य की भूल' (Mistake of Fact) क्या है और यह किसी समझौते को कैसे प्रभावित करती है?

Answer / उत्तर:

- **English:** A **Mistake of Fact** occurs when parties misunderstand a material fact essential to the contract.
 - **Bilateral Mistake (Section 20):** Where both parties are under a mistake as to a matter of fact essential to the agreement, the agreement is **void**.
 - **Unilateral Mistake (Section 22):** Where only one party is under a mistake, the contract is generally **not voidable**.
- **Hindi:** तथ्य की भूल तब होती है जब पक्षकार अनुबंध के लिए आवश्यक किसी महत्वपूर्ण तथ्य को गलत समझ लेते हैं।
 - **द्विपक्षीय भूल (धारा 20):** जहाँ दोनों पक्षकार आवश्यक तथ्य के संबंध में भूल पर हों, वह समझौता **व्यर्थ** (void) होता है।
 - **एकपक्षीय भूल (धारा 22):** जहाँ केवल एक पक्षकार भूल पर होता है, अनुबंध आमतौर पर **शून्यकरणीय नहीं** होता।

Question 11 (4 Marks)

English: Explain the legal doctrine "*Nudum Pactum*" in relation to consideration.

Hindi: प्रतिफल के संदर्भ में "*Nudum Pactum*" के कानूनी सिद्धांत को समझाएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** "*Ex nudo pacto non oritur actio*" means "An action does not arise from a bare promise." According to Section 25, an agreement made without consideration is void (*No Consideration = No Contract*). Consideration is the price paid for a promise and forms the legal basis of a valid contract.
- **Hindi:** "*Ex nudo pacto non oritur actio*" का अर्थ है "बिना प्रतिफल वाले नंगे वादे से कोई कानूनी कार्रवाई उत्पन्न नहीं होती।" धारा 25 के अनुसार, बिना प्रतिफल के किया गया समझौता व्यर्थ होता है (प्रतिफल नहीं = अनुबंध नहीं)। प्रतिफल वह मूल्य है जो किसी वादे के लिए चुकाया जाता है और वैध अनुबंध का आधार बनता है।

Question 12 (4 Marks)

English: Mention four exceptions to the rule "No Consideration, No Contract".

Hindi: "बिना प्रतिफल के कोई अनुबंध नहीं" नियम के चार अपवाद बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Under Section 25, an agreement without consideration is valid in these cases:

1. Promises made on account of natural love and affection (in writing and registered).
 2. A promise to compensate for voluntary past services.
 3. A written promise to pay a time-barred debt.
 4. Completed gifts and agency agreements (Section 185).
- **Hindi:** धारा 25 के तहत, बिना प्रतिफल के भी समझौता निम्नलिखित मामलों में वैध होता है:
 1. स्वाभाविक प्रेम और स्नेह से किए गए वादे (लिखित और पंजीकृत)।
 2. स्वैच्छिक रूप से दी गई पुरानी सेवाओं की भरपाई का वादा।
 3. समय-बाधित (Time-barred) ऋण का भुगतान करने का लिखित वादा।
 4. दिए जा चुके उपहार (Gifts) और एजेंसी के समझौते (धारा 185)।

Question 13 (4 Marks)

English: What is the rule of "Doctrine of Privity of Contract"?

Hindi: "अनुबंध की गोपनीयता का सिद्धांत" (Doctrine of Privity of Contract) का क्या नियम है?

Answer / उत्तर:

- **English:** The rule states that "**a stranger to a contract cannot sue**". Only the parties to a contract can enforce the rights and obligations arising from it. Even if a third party benefits from the contract, they cannot initiate legal action for its enforcement (e.g., *Dunlop Pneumatic Tyre Co. v. Selfridge Co.*).
- **Hindi:** यह नियम बताता है कि "**अनुबंध से बाहर का कोई अनजान व्यक्ति (तीसरा पक्ष) मुकदमा दायर नहीं कर सकता**"। केवल अनुबंध के पक्ष ही इससे उत्पन्न अधिकारों और दायित्वों को लागू करा सकते हैं। भले ही किसी तीसरे पक्ष को अनुबंध से लाभ हो रहा हो, वह इसे लागू कराने के लिए कानूनी कार्रवाई नहीं कर सकता।

Question 14 (4 Marks)

English: When is the object or consideration of an agreement considered unlawful?

Hindi: किसी समझौते का उद्देश्य या प्रतिफल कब अवैध माना जाता है?

Answer / उत्तर:

- **English:** Under Section 23, consideration or object is unlawful if:
 1. It is forbidden by law.
 2. It would defeat the provisions of any law.
 3. It is fraudulent.
 4. It involves injury to the person or property of another, or is opposed to public policy.
- **Hindi:** धारा 23 के अनुसार, प्रतिफल या उद्देश्य अवैध माना जाता है यदि:
 1. यह कानून द्वारा वर्जित है।
 2. यह किसी कानून के प्रावधानों को धोखा देगा।
 3. यह धोखापूर्ण है।
 4. यह किसी और की शरीर या संपत्ति को नुकसान पहुंचाएगा, या यह सार्वजनिक नीति के विपरीत है।

1. यह कानून द्वारा निषिद्ध हो।
2. यह किसी कानून के प्रावधानों को विफल करता हो।
3. यह कपटपूर्ण (धोखाधड़ी वाला) हो।
4. इसमें किसी दूसरे की संपत्ति या शरीर को नुकसान शामिल हो, या यह लोक नीति (Public policy) के विरुद्ध हो।

Question 15 (4 Marks)

English: Define 'Express Offer' and 'Implied Offer'.

Hindi: 'स्पष्ट प्रस्ताव' (Express Offer) और 'निहित प्रस्ताव' (Implied Offer) को परिभाषित करें।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Express Offer:** An offer made by words, spoken or written (e.g., offering to sell a car via an email).
 - **Implied Offer:** An offer made through conduct or circumstances rather than words (e.g., a public bus stopping at a bus stop to board passengers).
- **Hindi:**
 - **स्पष्ट प्रस्ताव (Express Offer):** शब्दों द्वारा, बोलकर या लिखकर दिया गया प्रस्ताव (जैसे: ईमेल के माध्यम से कार बेचने का प्रस्ताव)।
 - **निहित प्रस्ताव (Implied Offer):** शब्दों के बजाय आचरण या परिस्थितियों के माध्यम से दिया गया प्रस्ताव (जैसे: यात्रियों को बैठाने के लिए बस स्टॉप पर एक सार्वजनिक बस का रुकना)।

Question 16 (4 Marks)

English: What is a Void Agreement? Name two types of agreements expressly declared void by the Indian Contract Act.

Hindi: व्यर्थ समझौता (Void Agreement) क्या है? भारतीय अनुबंध अधिनियम द्वारा स्पष्ट रूप से व्यर्थ घोषित किए गए दो प्रकार के समझौतों के नाम बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** According to Section 2(g), an agreement not enforceable by law is said to be void. It creates no legal obligations from the beginning (*void ab initio*).

Two expressly declared void agreements:

1. Agreements in restraint of marriage (Section 26).
 2. Agreements in restraint of trade (Section 27).
- **Hindi:** धारा 2(g) के अनुसार, जो समझौता कानून द्वारा लागू करने योग्य नहीं होता, उसे व्यर्थ (Void) कहा जाता है। यह शुरू से ही कोई कानूनी दायित्व पैदा नहीं करता।

स्पष्ट रूप से व्यर्थ घोषित दो समझौते:

1. विवाह में रुकावट डालने वाले समझौते (धारा 26)।
2. व्यापार में रुकावट डालने वाले समझौते (धारा 27)।

Question 17 (4 Marks)

English: Define a Contingent Contract under Section 31 and state its two main rules.

Hindi: धारा 31 के तहत संयोगिक अनुबंध (Contingent Contract) को परिभाषित करें और इसके दो मुख्य नियम बताएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** A **Contingent Contract** is a contract to do or not to do something, if some event, collateral to such contract, does or does not happen (Section 31).

Rules:

1. Enforcement depends on the happening or non-happening of an uncertain future event.
 2. If the collateral event becomes impossible, the contract becomes void (Section 36).
- **Hindi:** **संयोगिक अनुबंध** किसी कार्य को करने या न करने का ऐसा अनुबंध है जो उस अनुबंध के सहायक किसी अनिश्चित भावी घटना के घटने या न घटने पर निर्भर करता है (धारा 31)।

नियम:

1. इसका प्रवर्तन (Enforcement) किसी अनिश्चित भविष्य की घटना के होने या न होने पर निर्भर करता है।
2. यदि वह सहायक घटना असंभव हो जाती है, तो अनुबंध व्यर्थ हो जाता है (धारा 36)।

Question 18 (4 Marks)

English: What is a Quasi-Contract? Mention any two types of Quasi-Contracts.

Hindi: अर्ध-अनुबंध (Quasi-Contract) क्या है? अर्ध-अनुबंध के किन्हीं दो प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** A **Quasi-Contract** is not a real contract created by formal consent, but an obligation imposed by law based on the principle of equity: *"No person shall be allowed to enrich himself unjustly at the expense of another."*

Types:

1. Supply of necessities to a person incapable of contracting (Section 68).
2. Responsibility of a finder of goods (Section 71).

- **Hindi:** अर्ध-अनुबंध औपचारिक सहमति से बना वास्तविक अनुबंध नहीं है, बल्कि समानता के सिद्धांत पर कानून द्वारा थोपा गया एक दायित्व है: "किसी भी व्यक्ति को दूसरे के नुकसान पर अन्यायपूर्ण रूप से समृद्ध होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।"

प्रकार:

1. अनुबंध करने में असमर्थ व्यक्ति को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति (धारा 68)।
2. माल खोजने वाले का उत्तरदायित्व (धारा 71)।

Question 19 (4 Marks)

English: Explain the modes of Discharge of Contract by Mutual Agreement.

Hindi: आपसी सहमति द्वारा अनुबंध के समाप्ति/उन्मोचन (Discharge by Mutual Agreement) के तरीकों को समझाएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** A contract can be discharged by mutual agreement under Section 62 through:
 1. **Novation:** Substitution of a new contract in place of the old one.
 2. **Alteration:** Changing one or more terms of the contract with consent.
 3. **Rescission:** Cancellation of the contract by all parties.
 4. **Remission:** Accepting a lesser fulfillment of the promise.
- **Hindi:** धारा 62 के तहत आपसी सहमति से अनुबंध को निम्नलिखित तरीकों से समाप्त किया जा सकता है:
 1. **नवीनकरण (Novation):** पुराने अनुबंध के स्थान पर नया अनुबंध बनाना।
 2. **परिवर्तन (Alteration):** सहमति से अनुबंध की शर्तों में बदलाव करना।
 3. **रद्दीकरण (Rescission):** सभी पक्षों द्वारा अनुबंध को रद्द करना।
 4. **छूट/माफी (Remission):** वादे की कम मात्रा में पूर्ति स्वीकार करना।

Question 20 (4 Marks)

English: Distinguish between Liquidated Damages and Penalty.

Hindi: निर्धारित हर्जाना (Liquidated Damages) और अर्थदंड (Penalty) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Liquidated Damages:** A fair and genuine pre-estimate of probable loss suffered in case of a breach of contract. Its purpose is compensation.
 - **Penalty:** An disproportionately high amount fixed in terroram to force performance. Its purpose is punishment rather than compensation.

- **Hindi:**

- **निर्धारित हर्जाना:** अनुबंध के उल्लंघन की स्थिति में होने वाले संभावित नुकसान का एक उचित और वास्तविक पूर्व-अनुमान। इसका उद्देश्य क्षतिपूर्ति है।
- **अर्थदंड (Penalty):** पक्षों को अनुबंध पूरा करने के लिए डराने हेतु तय की गई अत्यधिक या अनुचित राशि। इसका उद्देश्य नुकसान की भरपाई के बजाय सजा देना है।

Question 21 (4 Marks)

English: What remedies are available to an aggrieved party for Breach of Contract?

Hindi: अनुबंध भंग (Breach of Contract) होने पर पीड़ित पक्ष को कौन-कौन से उपचार उपलब्ध हैं?

Answer / उत्तर:

- **English:** The remedies available for breach of contract are:
 1. **Rescission:** Cancelling the contract.
 2. **Suit for Damages:** Claiming monetary compensation for loss.
 3. **Suit upon Quantum Meruit:** Claiming payment proportional to the work done.
 4. **Suit for Specific Performance / Injunction:** Court order directing performance or restraining an act.
- **Hindi:** अनुबंध भंग होने पर निम्नलिखित कानूनी उपचार उपलब्ध हैं:
 1. **रद्दीकरण (Rescission):** अनुबंध रद्द करना।
 2. **हर्जाने/क्षतिपूर्ति का दावा:** नुकसान के लिए वित्तीय मुआवजे की मांग करना।
 3. **यथासंभव भुगतान (Quantum Meruit):** किए गए कार्य के अनुपात में भुगतान का दावा।
 4. **विशिष्ट प्रदर्शन / निषेधाज्ञा (Injunction):** कार्य पूरा करने या रोकने का अदालती आदेश।

Question 22 (4 Marks)

English: Define Contract of Indemnity and Contract of Guarantee.

Hindi: क्षतिपूर्ति का अनुबंध (Contract of Indemnity) और गारंटी का अनुबंध (Contract of Guarantee) को परिभाषित करें।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Contract of Indemnity (Sec 124):** A contract by which one party promises to save the other from loss caused to him by the conduct of the promisor himself, or by the conduct of any other person.
 - **Contract of Guarantee (Sec 126):** A contract to perform the promise, or discharge the liability, of a third person in case of his default.
- **Hindi:**

- **क्षतिपूर्ति का अनुबंध (धारा 124):** वह अनुबंध जिसके द्वारा एक पक्ष दूसरे पक्ष को स्वयं वचनदाता या किसी अन्य व्यक्ति के आचरण से हुई हानि से बचाने का वादा करता है।
- **गारंटी का अनुबंध (धारा 126):** किसी तीसरे व्यक्ति की चूक (Default) की स्थिति में उसके वादे को पूरा करने या उसके दायित्व को निपटाने का अनुबंध।

Question 23 (4 Marks)

English: Differentiate between Contract of Indemnity and Contract of Guarantee.

Hindi: क्षतिपूर्ति अनुबंध और गारंटी अनुबंध के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Parties:** Indemnity involves 2 parties (Indemnifier & Indemnity Holder); Guarantee involves 3 parties (Creditor, Principal Debtor, Surety).
 - **Nature of Liability:** In Indemnity, the liability of the indemnifier is primary and independent. In Guarantee, the liability of the surety is secondary (collateral).
- **Hindi:**
 - **पक्षकार:** क्षतिपूर्ति में 2 पक्ष होते हैं (क्षतिपूर्तिकर्ता और क्षतिपूर्तिधारी); गारंटी में 3 पक्ष होते हैं (लेनदार, मुख्य देनदार, जमानतदार)।
 - **दायित्व की प्रकृति:** क्षतिपूर्ति में क्षतिपूर्तिकर्ता का दायित्व प्राथमिक और स्वतंत्र होता है। गारंटी में जमानतदार का दायित्व द्वितीयक (गौण) होता है।

Question 24 (4 Marks)

English: What is 'Bailment'? What are the essential elements of Bailment?

Hindi: 'निक्षेप' (Bailment) क्या है? निक्षेप के आवश्यक तत्व क्या हैं?

Answer / उत्तर:

- **English:** According to Section 148, **Bailment** is the delivery of goods by one person to another for some purpose, upon a contract that they shall, when the purpose is accomplished, be returned or otherwise disposed of according to directions.

Essentials: (1) Delivery of possession, (2) Specific purpose, (3) Contractual basis, (4) Return of identical goods.

- **Hindi:** धारा 148 के अनुसार, **निक्षेप (Bailment)** किसी उद्देश्य के लिए एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति को माल की सुपुर्दगी है, इस अनुबंध के तहत कि उद्देश्य पूरा होने पर इसे वापस कर दिया जाएगा या निर्देशों के अनुसार निपटाया जाएगा।

आवश्यक तत्व: (1) कब्जे की सुपुर्दगी, (2) विशिष्ट उद्देश्य, (3) अनुबंध का आधार, (4) उसी माल की वापसी।

Question 25 (4 Marks)

English: State the duties of a Bailee under the Indian Contract Act.

Hindi: भारतीय अनुबंध अधिनियम के तहत निक्षेही (Bailee) के कर्तव्य बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** The duties of a bailee include:
 1. Take reasonable care of the goods bailed (Section 151).
 2. Not to make unauthorized use of the goods (Section 154).
 3. Not to mix the goods bailed with his own goods (Section 155).
 4. Return the goods without demand upon completion of purpose/time (Section 160).
- **Hindi:** निक्षेही (Bailee) के कर्तव्य इस प्रकार हैं:
 1. सौंपे गए माल की उचित देखभाल करना (धारा 151)।
 2. माल का अनधिकृत/गलत उपयोग न करना (धारा 154)।
 3. निक्षेपित माल को अपने माल के साथ न मिलाना (धारा 155)।
 4. उद्देश्य/समय पूरा होने पर मांग किए बिना माल वापस करना (धारा 160)।

Question 26 (4 Marks)

English: How is 'Pledge' different from 'Bailment'?

Hindi: 'गिरवी' (Pledge) 'निक्षेप' (Bailment) से किस प्रकार भिन्न है?

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Purpose:** Bailment can be for any purpose (e.g., repair, safe custody). Pledge is a special kind of bailment specifically as security for payment of a debt or performance of a promise (Section 172).
 - **Right to Sell:** A bailee has no right to sell goods (only right of lien). A pawnee (pledgee) has a right to sell the pledged goods after giving due notice if the pawnor defaults.
- **Hindi:**
 - **उद्देश्य:** निक्षेप किसी भी उद्देश्य (जैसे: मरम्मत, सुरक्षित सुरक्षा) के लिए हो सकता है। गिरवी ऋण के भुगतान या वादे के प्रदर्शन के लिए सुरक्षा के रूप में किया गया एक विशेष निक्षेप है (धारा 172)।
 - **बेचने का अधिकार:** निक्षेही के पास माल बेचने का अधिकार नहीं होता (केवल अधिकार-धारण/Lien का अधिकार)। गिरवीदार (Pawnee) के पास देनदार के डिफॉल्ट करने पर उचित नोटिस देकर गिरवी रखे माल को बेचने का अधिकार होता है।

Question 27 (4 Marks)

English: Explain the rights of a Pawnee (Pledgee).

Hindi: गिरवीदार / ऋणदाता (Pawnee) के अधिकारों को समझाएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** A Pawnee has the following rights under Sections 173 to 176:
 1. **Right of Retainer:** Retain goods until debt, interest, and necessary expenses are paid.
 2. **Right to Extraordinary Expenses:** Claim reimbursement for extraordinary expenses incurred for preserving goods.
 3. **Right to Sue or Sell:** In case of default, sue the pawnor or sell goods after reasonable notice.
- **Hindi:** धारा 173 से 176 के तहत गिरवीदार के अधिकार निम्नलिखित हैं:
 1. **माल रोकने का अधिकार:** मूल ऋण, ब्याज और आवश्यक खर्चों का भुगतान होने तक माल को रोके रखना।
 2. **असाधारण खर्चों का अधिकार:** माल की सुरक्षा के लिए किए गए असाधारण खर्चों की भरपाई का दावा करना।
 3. **मुकदमा या बिक्री का अधिकार:** डिफॉल्ट की स्थिति में देनदार पर मुकदमा चलाना या उचित नोटिस देने के बाद माल बेचना।

Question 28 (4 Marks)

English: Who is an Agent? What are the essential requirements to create an Agency?

Hindi: एजेंट (Agent) कौन है? एजेंसी बनाने के लिए आवश्यक आवश्यकताएं क्या हैं?

Answer / उत्तर:

- **English:** According to Section 182, an **Agent** is a person employed to do any act for another (Principal) or to represent another in dealings with third persons.

Essentials:

1. Principal must be competent to contract (Section 183).
 2. Consideration is not necessary to create an agency (Section 185).
- **Hindi:** धारा 182 के अनुसार, **एजेंट** वह व्यक्ति है जो किसी अन्य (मालिक/Principal) के लिए कोई कार्य करने या तीसरे व्यक्तियों के साथ व्यवहार में किसी अन्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

आवश्यकताएं:

1. मालिक (Principal) अनुबंध करने के लिए सक्षम होना चाहिए (धारा 183)।
2. एजेंसी बनाने के लिए किसी प्रतिफल की आवश्यकता नहीं होती है (धारा 185)।

Question 29 (4 Marks)

English: Explain the concept of "Agency by Ratification".

Hindi: "अनुमोदन द्वारा एजेंसी" (Agency by Ratification) की अवधारणा को समझाएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** Under Section 196, where acts are done by one person on behalf of another without his knowledge or authority, the principal may elect to **ratify** (approve) or disown such acts. If ratified, the acts become binding on the principal as if performed with prior authority (*ex post facto authority*).
- **Hindi:** धारा 196 के अनुसार, जहाँ किसी व्यक्ति द्वारा दूसरे के ज्ञान या अधिकार के बिना उसके नाम पर काम किया जाता है, तो मालिक के पास ऐसे कार्यों को **अनुमोदित (स्वीकार)** करने या अस्वीकार करने का विकल्प होता है। यदि अनुमोदित किया जाता है, तो कार्य मालिक पर इस तरह बाध्यकारी हो जाते हैं जैसे कि वे पूर्व अनुमति से किए गए हों।

Question 30 (4 Marks)

English: State four modes by which an Agency is terminated.

Hindi: चार तरीके बताइए जिनके द्वारा किसी एजेंसी को समाप्त (Terminate) किया जाता है।

Answer / उत्तर:

- **English:** According to Section 201, an agency is terminated by:
 1. Revocation of authority by the principal.
 2. Renunciation of the business of agency by the agent.
 3. Completion of the business of agency.
 4. Death or insanity of either the principal or the agent.
- **Hindi:** धारा 201 के अनुसार, एक एजेंसी निम्नलिखित तरीकों से समाप्त हो जाती है:
 1. मालिक द्वारा अपने अधिकार को वापस लेना (Revocation)।
 2. एजेंट द्वारा एजेंसी का व्यवसाय छोड़ना (Renunciation)।
 3. एजेंसी के व्यवसाय/कार्य का पूरा होना।
 4. मालिक या एजेंट में से किसी की मृत्यु या पागलपन।

Question 31 (4 Marks)

English: Define a 'Contract of Sale' under the Sale of Goods Act, 1930 and distinguish it from an 'Agreement to Sell'.

Hindi: वस्तु बिक्री अधिनियम, 1930 के तहत 'बिक्री के अनुबंध' (Contract of Sale) को परिभाषित करें और 'बिक्री के समझौते' (Agreement to Sell) से इसका अंतर स्पष्ट करें।

Answer / उत्तर:

- **English:** According to Section 4(1), a contract of sale is a contract whereby the seller transfers or agrees to transfer the property in goods to the buyer for a price.
 - **Sale:** Property/ownership in goods transfers immediately to the buyer (executed contract).
 - **Agreement to Sell:** Transfer of property takes place at a future time or subject to some condition (executory contract).
- **Hindi:** धारा 4(1) के अनुसार, बिक्री का अनुबंध वह अनुबंध है जिसके द्वारा विक्रेता एक कीमत के बदले माल में संपत्ति (स्वामित्व) खरीदार को स्थानांतरित करता है या स्थानांतरित करने का वादा करता है।
 - **बिक्री (Sale):** माल का स्वामित्व तुरंत खरीदार को स्थानांतरित हो जाता है (निष्पादित अनुबंध)।
 - **बिक्री का समझौता (Agreement to Sell):** स्वामित्व का हस्तांतरण भविष्य में या किसी शर्त के पूरा होने पर होता है (निष्पादनीय अनुबंध)।

Question 32 (4 Marks)

English: Differentiate between 'Condition' and 'Warranty' under the Sale of Goods Act, 1930.

Hindi: वस्तु बिक्री अधिनियम, 1930 के तहत 'शर्त' (Condition) और 'आश्वासन/वारंटी' (Warranty) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Condition (Section 12(2)):** A stipulation essential to the main purpose of the contract. Breach of condition gives the aggrieved party a right to treat the contract as repudiated and claim damages.
 - **Warranty (Section 12(3)):** A stipulation collateral to the main purpose of the contract. Breach of warranty gives a right to claim damages only, not to reject goods or treat the contract as repudiated.
- **Hindi:**
 - **शर्त (Condition):** अनुबंध के मुख्य उद्देश्य के लिए एक अनिवार्य बात। शर्त का उल्लंघन होने पर पीड़ित पक्ष को अनुबंध रद्द करने और नुकसान का दावा करने का अधिकार मिलता है।
 - **वारंटी (Warranty):** अनुबंध के मुख्य उद्देश्य के लिए एक सहायक (गौण) बात। वारंटी के उल्लंघन पर केवल हर्जाने का दावा किया जा सकता है, माल को अस्वीकार करने या अनुबंध रद्द करने का अधिकार नहीं मिलता।

Question 33 (4 Marks)

English: Explain the legal maxim "*Caveat Emptor*" and state its main exceptions.

Hindi: कानूनी सिद्धांत "*Caveat Emptor*" (क्रेता सावधान रहे) को समझाएं और इसके मुख्य अपवाद बताएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** "*Caveat Emptor*" means "Let the buyer beware." The buyer takes upon himself the risk of quality or fitness of goods purchased.

Exceptions:

1. Fitness for a specific purpose disclosed by the buyer relying on seller's skill/judgment (Section 16(1)).
 2. Goods bought by description from a seller who deals in such goods (merchantable quality).
 3. Sale by sample or fraud/concealment by the seller.
- **Hindi:** "*Caveat Emptor*" का अर्थ है "क्रेता सावधान रहे।" खरीदार खरीदे गए माल की गुणवत्ता या उपयुक्तता का जोखिम खुद उठाता है।

अपवाद:

1. यदि खरीदार ने विक्रेता के कौशल/फैसले पर भरोसा करके अपनी विशिष्ट आवश्यकता बताई हो।
2. विवरण द्वारा माल की बिक्री (व्यापारिक गुणवत्ता वाला होना आवश्यक है)।
3. नमूने (Sample) द्वारा बिक्री या विक्रेता द्वारा धोखाधड़ी/छिपाव।

Question 34 (4 Marks)

English: What is the significance of the maxim "*Nemo Dat Quod Non Habet*"? State two exceptions to this rule.

Hindi: सिद्धांत "*Nemo Dat Quod Non Habet*" का क्या महत्व है? इस नियम के दो अपवाद बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** The maxim means "*No one can give what he does not possess.*" A buyer generally acquires no better title to goods than what the seller had (Section 27).

Exceptions:

1. Sale by a mercantile agent in the ordinary course of business.
 2. Sale by one of the joint owners in possession of goods with consent.
- **Hindi:** इस सिद्धांत का अर्थ है "कोई भी व्यक्ति वह नहीं बेच सकता जिसका वह स्वयं मालिक नहीं है।" खरीदार को आमतौर पर माल पर विक्रेता से बेहतर स्वामित्व प्राप्त नहीं होता (धारा 27)।

अपवाद:

1. व्यापारिक एजेंट (Mercantile Agent) द्वारा सामान्य व्यावसायिक स्थिति में की गई बिक्री।
2. सहमति से माल पर अधिकार रखने वाले संयुक्त स्वामियों में से किसी एक द्वारा बिक्री।

Question 35 (4 Marks)

English: Explain the rules regarding "Delivery of Goods" under the Sale of Goods Act.

Hindi: वस्तु बिक्री अधिनियम के तहत "माल की सुपुर्दगी" (Delivery of Goods) से संबंधित नियमों को समझाएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** Delivery means voluntary transfer of possession from one person to another (Section 2(2)).

Rules:

1. **Modes of Delivery:** Actual, Symbolic, or Constructive.
 2. **Part Delivery:** Delivery of part of goods in progress of delivery of the whole has the same effect as delivery of the whole.
 3. **Duty of Seller:** Seller must be ready and willing to deliver goods in exchange for price.
- **Hindi:** सुपुर्दगी का अर्थ एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को स्वेच्छा से कब्जे का स्थानांतरण है (धारा 2(2))।

नियम:

1. **सुपुर्दगी के तरीके:** वास्तविक (Actual), प्रतीकात्मक (Symbolic), या रचनात्मक (Constructive)।
2. **आंशिक सुपुर्दगी:** पूरे माल की सुपुर्दगी की प्रक्रिया में आंशिक माल देना पूरी सुपुर्दगी के समान प्रभावी होता है।
3. **विक्रेता का कर्तव्य:** विक्रेता को मूल्य के बदले माल सौंपने के लिए तैयार और इच्छुक होना चाहिए।

Question 36 (4 Marks)

English: Who is an 'Unpaid Seller'? State two rights of an Unpaid Seller against the goods.

Hindi: 'अदत्त विक्रेता' (Unpaid Seller) कौन है? माल के विरुद्ध अदत्त विक्रेता के दो अधिकार बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Under Section 45, a seller is an **Unpaid Seller** when: (a) Whole of the price has not been paid/tendered, or (b) A negotiable instrument received as conditional payment has been dishonoured.

Rights against Goods:

1. **Right of Lien:** Right to retain possession of goods until price is paid (Section 47).
 2. **Right of Stoppage in Transit:** Right to stop goods in transit if buyer becomes insolvent (Section 50).
- **Hindi:** धारा 45 के अनुसार, एक विक्रेता **अदत्त विक्रेता** होता है जब: (a) संपूर्ण मूल्य का भुगतान नहीं किया गया है, या (b) सशर्त भुगतान के रूप में प्राप्त विनिमय पत्र अनादरित (Dishonour) हो गया हो।

माल के विरुद्ध अधिकार:

1. **धारण-अधिकार (Right of Lien):** मूल्य का भुगतान होने तक माल का कब्जा बनाए रखने का अधिकार (धारा 47)।
2. **मार्ग में रोकने का अधिकार (Stoppage in Transit):** यदि खरीदार दिवालिया हो जाता है, तो रास्ते में माल को रोकने का अधिकार (धारा 50)।

Question 37 (4 Marks)

English: What is a 'Sale by Auction'? State two key legal rules governing Auction Sales.

Hindi: 'नीलामी द्वारा बिक्री' (Sale by Auction) क्या है? नीलामी बिक्री को नियंत्रित करने वाले दो प्रमुख कानूनी नियम बताएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** A **Sale by Auction** is a public sale where goods are sold to the highest bidder through a process of competitive bidding (Section 64).

Rules:

1. **Completion of Sale:** Sale is complete when the auctioneer announces its completion by the fall of the hammer or in other customary manner.
 2. **Reserve Price:** The sale may be subject to a reserved or upset price, below which goods will not be sold.
- **Hindi:** **नीलामी द्वारा बिक्री** एक सार्वजनिक बिक्री है जहां प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को माल बेचा जाता है (धारा 64)।

नियम:

1. **बिक्री का पूरा होना:** बिक्री तब पूरी मानी जाती है जब नीलामीकर्ता हथौड़ा गिराकर या किसी अन्य पारंपरिक तरीके से इसकी घोषणा करता है।
2. **न्यूनतम मूल्य (Reserve Price):** बिक्री एक आरक्षित मूल्य के अधीन हो सकती है, जिससे कम पर माल नहीं बेचा जाएगा।

Question 38 (4 Marks)

English: Define 'Actionable Claims' with two examples.

Hindi: 'कार्रवाई योग्य दावे' (Actionable Claims) को दो उदाहरणों के साथ परिभाषित करें।

Answer / उत्तर:

- **English:** An **Actionable Claim** refers to a claim to any debt (other than a debt secured by mortgage of immovable property or pledge of movable property) or to any beneficial interest in movable property not in possession, for which relief can be claimed in a Civil Court.

Examples: (1) A claim for arrears of rent, (2) A claim for money due under a contract or insurance policy.

- **Hindi:** **कार्रवाई योग्य दावा** किसी ऐसे ऋण के दावे को संदर्भित करता है (अचल संपत्ति के बंधक या चल संपत्ति के गिरवी द्वारा सुरक्षित ऋण को छोड़कर) या चल संपत्ति में किसी ऐसे लाभकारी हित से है जिसका कब्जा पक्षकार के पास नहीं है, और जिसके लिए दीवानी अदालत में राहत की मांग की जा सकती है।

उदाहरण: (1) बकाया किराये का दावा, (2) किसी अनुबंध या बीमा पॉलिसियों के तहत देय राशि का दावा।

Question 39 (4 Marks)

English: What is a Negotiable Instrument? State three essential characteristics.

Hindi: प्रक्रम्य विलेख / बातचीत योग्य दस्तावेज़ (Negotiable Instrument) क्या है? तीन आवश्यक विशेषताएं बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** According to Section 13 of the Negotiable Instruments Act, 1881, a **Negotiable Instrument** means a promissory note, bill of exchange, or cheque payable either to order or to bearer.

Characteristics:

1. **Easy Transferability:** Transferable by delivery or by endorsement and delivery.
 2. **Better Title:** A Holder in Due Course gets a title free from all defects.
 3. **Right to Sue:** Holder can sue in his own name.
- **Hindi:** प्रक्रम्य लिखित अधिनियम, 1881 की धारा 13 के अनुसार, **प्रक्रम्य विलेख** से तात्पर्य ऐसे वचन पत्र (Promissory Note), विनिमय पत्र (Bill of Exchange) या चेक (Cheque) से है जो आदेश पर या धारक को देय हो।

विशेषताएं:

1. **सरल हस्तांतरणीयता:** केवल सुपुर्दगी या पृष्ठांकन (Endorsement) और सुपुर्दगी द्वारा हस्तांतरणीय।
2. **श्रेष्ठ स्वामित्व:** यथाविधि धारक (Holder in Due Course) को दोषमुक्त स्वामित्व मिलता है।
3. **मुकदमा दायर करने का अधिकार:** धारक अपने नाम से मुकदमा कर सकता है।

Question 40 (4 Marks)

English: Define a Promissory Note under Section 4 and state its essential elements.

Hindi: धारा 4 के तहत वचन पत्र (Promissory Note) को परिभाषित करें और इसके आवश्यक तत्व बताएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** A **Promissory Note** is an instrument in writing (not being a bank-note or currency-note) containing an unconditional undertaking signed by the maker, to pay a certain sum of money only to, or to the order of, a certain person, or to the bearer of the instrument.

Essentials: (1) Must be in writing, (2) Unconditional promise to pay, (3) Signed by the maker, (4) Certainty of money and parties.

- **Hindi:** वचन पत्र लिखित रूप में एक ऐसा दस्तावेज़ है (जो बैंक नोट या करेंसी नोट न हो) जिसमें निर्माता द्वारा हस्ताक्षरित एक शर्त-रहित वचन होता है कि वह एक निश्चित राशि केवल किसी निश्चित व्यक्ति को, या उसके आदेशानुसार, या दस्तावेज़ के धारक को देगा।

आवश्यक तत्व: (1) लिखित होना चाहिए, (2) भुगतान का बिना शर्त वादा, (3) निर्माता के हस्ताक्षर, (4) राशि और पक्षों की निश्चितता।

Question 41 (4 Marks)

English: Define a Bill of Exchange under Section 5.

Hindi: धारा 5 के तहत विनिमय पत्र (Bill of Exchange) को परिभाषित करें।

Answer / उत्तर:

- **English:** A **Bill of Exchange** is an instrument in writing containing an unconditional order, signed by the maker, directing a certain person to pay a certain sum of money only to, or to the order of, a certain person or to the bearer of the instrument. It involves three parties: Drawer, Drawee, and Payee.
- **Hindi:** **विनिमय पत्र** लिखित रूप में एक ऐसा दस्तावेज़ है जिसमें निर्माता (Drawer) द्वारा हस्ताक्षरित एक बिना शर्त आदेश होता है, जो किसी निश्चित व्यक्ति (Drawee) को यह निर्देश देता है कि वह एक निश्चित राशि केवल किसी निश्चित व्यक्ति को या उसके आदेशानुसार या धारक को दे। इसमें तीन पक्ष शामिल होते हैं: लेखक (Drawer), देनदार (Drawee), और प्राप्तकर्ता (Payee)।

Question 42 (4 Marks)

English: How does a Promissory Note differ from a Bill of Exchange?

Hindi: वचन पत्र (Promissory Note) और विनिमय पत्र (Bill of Exchange) में क्या अंतर है?

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Parties:** A Promissory Note involves 2 parties (Maker and Payee), while a Bill of Exchange involves 3 parties (Drawer, Drawee, and Payee).
 - **Nature of Order/Promise:** Promissory Note contains an unconditional *promise* to pay made by the debtor. Bill of Exchange contains an unconditional *order* to pay given by the creditor.
- **Hindi:**
 - **पक्षकार:** वचन पत्र में 2 पक्ष शामिल होते हैं (वचनदाता और प्राप्तकर्ता), जबकि विनिमय पत्र में 3 पक्ष होते हैं (आहर्ता/लेखक, देनदार और प्राप्तकर्ता)।
 - **आदेश/वादे की प्रकृति:** वचन पत्र में देनदार द्वारा भुगतान करने का बिना शर्त *वादा* होता है। विनिमय पत्र में लेनदार द्वारा भुगतान करने का बिना शर्त *आदेश* होता है।

Question 43 (4 Marks)

English: Define a 'Cheque' under Section 6 of the Negotiable Instruments Act.

Hindi: प्रक्रम्य लिखित अधिनियम की धारा 6 के तहत 'चेक' (Cheque) को परिभाषित करें।

Answer / उत्तर:

- **English:** A **Cheque** is a bill of exchange drawn on a specified banker and not expressed to be payable otherwise than on demand. It includes the electronic image of a truncated cheque and a cheque in electronic form. Key feature: It is always drawn on a bank and is always payable on demand.
- **Hindi:** **चेक** एक ऐसा विनिमय पत्र है जो किसी विशिष्ट बैंक पर लिखा जाता है और इसका भुगतान केवल मांग पर ही देय होता है, अन्यथा नहीं। इसमें ट्रंकेटेड चेक की इलेक्ट्रॉनिक छवि और इलेक्ट्रॉनिक रूप में चेक शामिल है। मुख्य विशेषता: यह हमेशा बैंक पर लिखा जाता है और हमेशा मांग पर देय होता है।

Question 44 (4 Marks)

English: Differentiate between a Bill of Exchange and a Cheque.

Hindi: विनिमय पत्र (Bill of Exchange) और चेक (Cheque) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Drawee:** A Bill of Exchange can be drawn on any person (including a bank). A Cheque can be drawn ONLY on a specified banker.
 - **Payment & Grace Days:** A Bill of Exchange may be payable on demand or after a specified period (and gets 3 days of grace). A Cheque is ALWAYS payable on demand without any grace days.
- **Hindi:**
 - **देनदार (Drawee):** विनिमय पत्र किसी भी व्यक्ति (बैंक सहित) पर लिखा जा सकता है। चेक केवल एक निर्दिष्ट बैंक पर ही लिखा जा सकता है।
 - **भुगतान और अनुग्रह के दिन (Grace Days):** विनिमय पत्र मांग पर या एक निश्चित अवधि के बाद देय हो सकता है (और इसे 3 दिन की छूट/अनुग्रह अवधि मिलती है)। चेक हमेशा बिना किसी छूट के केवल मांग पर ही देय होता है।

Question 45 (4 Marks)

English: What is Crossing of a Cheque? Mention two types of crossing.

Hindi: चेक का रेखांकन (Crossing of Cheque) क्या है? रेखांकन के दो प्रकार बताएं।

Answer / उत्तर:

- **English:** **Crossing** is an instruction to the paying banker not to pay the amount of the cheque directly over the cash counter, but to pay it only through a bank account.

Two Types:

1. **General Crossing (Section 123):** Adding two parallel transverse lines on the face of the cheque with or without words like "& Co." or "Not Negotiable".
 2. **Special Crossing (Section 124):** Adding the name of a specific banker across the face of the cheque.
- **Hindi:** रेखांकन भुगतान करने वाले बैंक को एक निर्देश है कि वह चेक की राशि का भुगतान सीधे कैश काउंटर पर न करे, बल्कि केवल बैंक खाते के माध्यम से करे।

दो प्रकार:

1. **सामान्य रेखांकन (धारा 123):** चेक के सामने दो समानांतर तिरछी रेखाएं खींचना ("& Co." या "Not Negotiable" शब्दों के साथ या बिना)।
2. **विशेष रेखांकन (धारा 124):** चेक के सामने किसी विशिष्ट बैंक का नाम लिखना।

Question 46 (4 Marks)

English: What is the legal effect of a "Not Negotiable" crossing on a cheque?

Hindi: चेक पर "Not Negotiable" (गैर-प्रक्रम्य) रेखांकन का कानूनी प्रभाव क्या है?

Answer / उत्तर:

- **English:** Under Section 130, adding the words "Not Negotiable" does not restrict transferability, but it destroys negotiability. A person taking such a cheque shall not have, and cannot give, a better title to the cheque than what the transferor had. The holder cannot become a Holder in Due Course if the title of any prior party is defective.
- **Hindi:** धारा 130 के तहत, "Not Negotiable" शब्द जोड़ने से हस्तांतरणीयता समाप्त नहीं होती, लेकिन प्रक्रम्यता (Negotiability) नष्ट हो जाती है। ऐसा चेक लेने वाले व्यक्ति के पास चेक पर उससे बेहतर अधिकार/स्वामित्व नहीं होगा जो हस्तांतरणकर्ता के पास था। यदि किसी पूर्व पक्ष का स्वामित्व दोषपूर्ण है, तो धारक यथाविधि धारक नहीं बन सकता।

Question 47 (4 Marks)

English: What is meant by 'Dishonour of Cheque' under Section 138 of the Negotiable Instruments Act?

Hindi: प्रक्रम्य लिखित अधिनियम की धारा 138 के तहत 'चेक का अनादर' (Dishonour of Cheque) से क्या तात्पर्य है?

Answer / उत्तर:

- **English:** Dishonour of cheque under Section 138 occurs when a cheque drawn for discharge of any debt/liability is returned unpaid by the bank due to **insufficiency of funds** or because it exceeds the amount arranged to be paid. It is a penal offence punishable with imprisonment up to 2 years or fine up to twice the amount of the cheque, or both.
- **Hindi:** धारा 138 के तहत चेक का अनादर तब होता है जब किसी ऋण/दायित्व के भुगतान के लिए दिया गया चेक **खाते में अपर्याप्त राशि** होने या तय सीमा से अधिक राशि होने के कारण बैंक द्वारा

बिना भुगतान के वापस कर दिया जाता है। यह एक दंडनीय अपराध है जिसमें 2 साल तक की जेल या चेक राशि से दोगुनी तक की सजा या दोनों हो सकते हैं।

Question 48 (4 Marks)

English: State the conditions necessary to establish an offence under Section 138 for dishonour of cheque.

Hindi: चेक अनादर के लिए धारा 138 के तहत अपराध साबित करने के लिए आवश्यक शर्तें बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Necessary conditions:
 1. Cheque presented to the bank within its validity period (3 months).
 2. Payee makes a demand for payment by giving written notice within 30 days of receiving dishonour information from the bank.
 3. Drawer fails to make payment within 15 days of receiving the written notice.
- **Hindi:** आवश्यक शर्तें:
 1. चेक को उसकी वैधता अवधि (3 महीने) के भीतर बैंक में प्रस्तुत किया गया हो।
 2. प्राप्तकर्ता बैंक से अनादर की सूचना मिलने के 30 दिनों के भीतर लिखित नोटिस देकर भुगतान की मांग करे।
 3. आहर्ता (Drawer) लिखित नोटिस प्राप्त करने के 15 दिनों के भीतर भुगतान करने में विफल रहता है।

Question 49 (4 Marks)

English: Define 'Payment in Due Course' under Section 10 of the Negotiable Instruments Act.

Hindi: प्रक्रम्य लिखित अधिनियम की धारा 10 के तहत 'यथाविधि भुगतान' (Payment in Due Course) को परिभाषित करें।

Answer / उत्तर:

- **English:** According to Section 10, **Payment in Due Course** means payment made in accordance with the apparent tenor of the instrument, in good faith and without negligence, to any person in possession thereof, under circumstances which do not afford reasonable ground for believing that he is not entitled to receive payment.
- **Hindi:** धारा 10 के अनुसार, **यथाविधि भुगतान** से तात्पर्य किसी विलेख के स्पष्ट स्वरूप के अनुसार, सद्भावनापूर्वक और बिना किसी लापरवाही के, उसके कब्जे वाले किसी भी व्यक्ति को ऐसी परिस्थितियों में किए गए भुगतान से है, जो यह विश्वास करने का कारण न दें कि वह भुगतान प्राप्त करने का हकदार नहीं है।

Question 50 (4 Marks)

English: Distinguish between 'Holder' and 'Holder in Due Course' (HDC).

Hindi: 'धारक' (Holder) और 'यथाविधि धारक' (Holder in Due Course - HDC) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**

- **Holder (Section 8):** Any person entitled in his own name to the possession of the instrument and to receive/recover the amount due thereon.
- **Holder in Due Course (Section 9):** A person who becomes possessor of the instrument for consideration, before maturity, and in good faith without notice of any defect in the title of the transferor. HDC gets a title free from defects.

- **Hindi:**

- **धारक (धारा 8):** कोई भी व्यक्ति जो अपने नाम पर विलेख का कब्जा रखने और उस पर देय राशि प्राप्त/वसूली करने का हकदार है।
- **यथाविधि धारक (धारा 9):** वह व्यक्ति जो प्रतिफल के बदले, परिपक्वता (Maturity) से पहले, और हस्तांतरणकर्ता के स्वामित्व में किसी भी दोष की सूचना के बिना सद्भावनापूर्वक विलेख प्राप्त करता है। इसे पूरी तरह दोषमुक्त स्वामित्व प्राप्त होता है।